जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 199
दिनांक 31.12.2023

जनेकृविवि के वैज्ञानिकों ने कृषकों को पोषक तत्व प्रबंधन एवं श्री .अन्न के महत्व के संबंध में दिया प्रशिक्षण

अखिल भारतीय दीर्घकालीन उर्वरक प्रयोग परियोजना के अंतर्गत बघराजी और बंजार टोला ग्राम के कृषकों के प्रक्षेत्र का किया भ्रमण

जबलपुर 31 दिसम्बर, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों की आय दोगनी करने के उद्येश्य से गांवों में जाकर उनके प्रक्षेत्रों का भ्रमण कर, कृषि संबंधी महत्वपूर्ण सलाह प्रदान कर रहे हैं। इसी श्रंखला में अखिल भारतीय दीर्घकालीन उर्वरक प्रयोग परियोजना के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय,जबलपुर के मृदा विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं आचार्य डॉ. पी.एस.कुल्हाड़े के मार्गदर्शन एवं अखिल भारतीय दीर्घकालीन उर्वरक प्रयोग परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. ब्रजेश दीक्षित के दिग्दर्शन में परियोजना के वैज्ञानिक डॉ. बी.एस.द्विवेदी एवं परियोजना के अनुसंधान सहायक डॉ. अभिषेक शर्मा द्वारा बघराजी और बंजार टोला ग्राम के कृषकों के प्रक्षेत्र का भ्रमण कर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. बी.एस. द्विवेदी ने कृषकों को मिट्टी परीक्षण एवं पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी देते हुये श्री अन्न के महत्व को बताया। डॉ. द्विवेदी कहा कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में श्री अन्न की खेती की जा रही है। लेकिन उसका आप किसानों को सही मूल्य नहीं मिल पा रहा है। लिहाजा ऐसे में कोदो,कुटकी, रागी,सांवा,बाजरा सहित अन्य मोटे अनाज की फसलों की खेती करने वाले किसानों को अधिक उत्पादन एवं बेहतर दाम में बेचकर आर्थिक उन्नति कैसे प्राप्त की जा सकती है। इस संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

भ्रमण एवं प्रशिक्षण के दौरान अखिल भारतीय दीर्घकालीन उर्वरक प्रयोग परियोजना के सहायक वैज्ञानिक डॉ. अभिषेक शर्मा ने कृषकों को गेहूं की फसल में पोषक तत्व प्रबंधन पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। आपने कहा कि गेहूं सहित अन्य फसलों के लिये जनेकृविवि के जैव उर्वरक केन्द्र में तैयार किये जा रहे जैव उर्वरकों को किसान भाई समय–समय पर उचित उपयोग करें, जिससे उनकी फसलों का उत्पादन दोगुना होगा, इसके अलावा मिट्टी की पोषण शक्ति भी बनी रहेगी।

प्रशिक्षण एवं भ्रमण के दौरान मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. बी.एस.द्विवेदी, डॉ. अभिषेक शर्मा एवं बड़ी संख्या में बघराजी क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे।